बांधों की सुरक्षा के लिए सम्मेलन में जुटेंगे दुनिया के प्रमुख विशेषज्ञ

- 14 व 15 को जयपुर में होगा बांध सुरक्षा पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन
- देश के 25 प्रतिशत बांध सौ साल पुराने, उनका रखरखाव है बड़ा मुद्दा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: देश में बांधों की सुरक्षा को नई दृष्टि देने और उनके रखरखाव के आधुनिक तौर-तरीके अपनाने के लिए एक अहम सम्मेलन 14 और 15 सितंबर को जयपुर में होगा। इसमें दुनिया के प्रमुख बांध विशेषज्ञ शामिल होंगे। यह सम्मेलन इस लिहाज से खासा महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश के लगभग 25 प्रतिशत बांध सौ वर्ष पुराने हैं और उनकी सुरक्षा व रखरखाव को लेकर सवाल उठते रहे हैं।

2021 में बांध सुरक्षा को लेकर नया कानून बनने के बाद से यह पहला बड़ा वैश्विक सम्मेलन है, जो बांध विशेषज्ञों के साथ ही निजी क्षेत्र को भी नई चुनौतियों को समझने में मदद देगा। जलशक्ति मंत्रालय के जल संसाधन, नदी विकास और गंगा पुनरुद्धार विभाग के सचिव पंकज कुमार के अनुसार इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में लगभग 15 देशों के बांध विशेषज्ञ भाग लेंगे। इसे राजस्थान जल आयोग, केंद्रीय जल आयोग, राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण, एमएनआइटी जयपुर, विश्व बैंक और एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इनवेस्ट बैंक के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ इसके मुख्य अतिथि होंगे।

पंकज कुमार ने कहा कि भारत बांधों की संख्या के लिहाज से अमेरिका और चीन के बाद तीसरे नंबर पर है। देश में लगभग छह हजार बांध हैं, जिनमें 75 प्रतिशत 25 साल पुराने हैं। 234 बांध तो सौ साल पुराने हैं।

इस लिहाज से उनकी सुरक्षा सबसे अहम है। 2021 में बांध सुरक्षा को लेकर जो नया कानून बना है, उसमें साल में दो बार इन बांधों के निरीक्षण की अनिवार्यता सुनिश्चित की गई है। बांधों की निगरानी और उनके रखरखाव के लिए कई देश एक-दूसरे का खासकर तकनीक के लिहाज से सहयोग कर रहे हैं। दुनिया भारत में बांध सुरक्षा के लिए बने इस कानून को एक बेंचमार्क के रूप में देख रही है।

जैसे-जैसे बांधों की संख्या बढ़ रही है, उनके प्रबंधन के लिहाज से चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। पंकज कुमार ने उम्मीद जताई कि इस सम्मेलन से बांध सुरक्षा को लेकर राष्ट्रीय नीतियों को तय करने में मदद मिलेगी।

nwda.gov.in